स्काउट गाइड ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष–22, अंक–07, मार्च–अप्रेल, 2022 (कुल पृष्ठ–28) मूल्य : रू.15/–

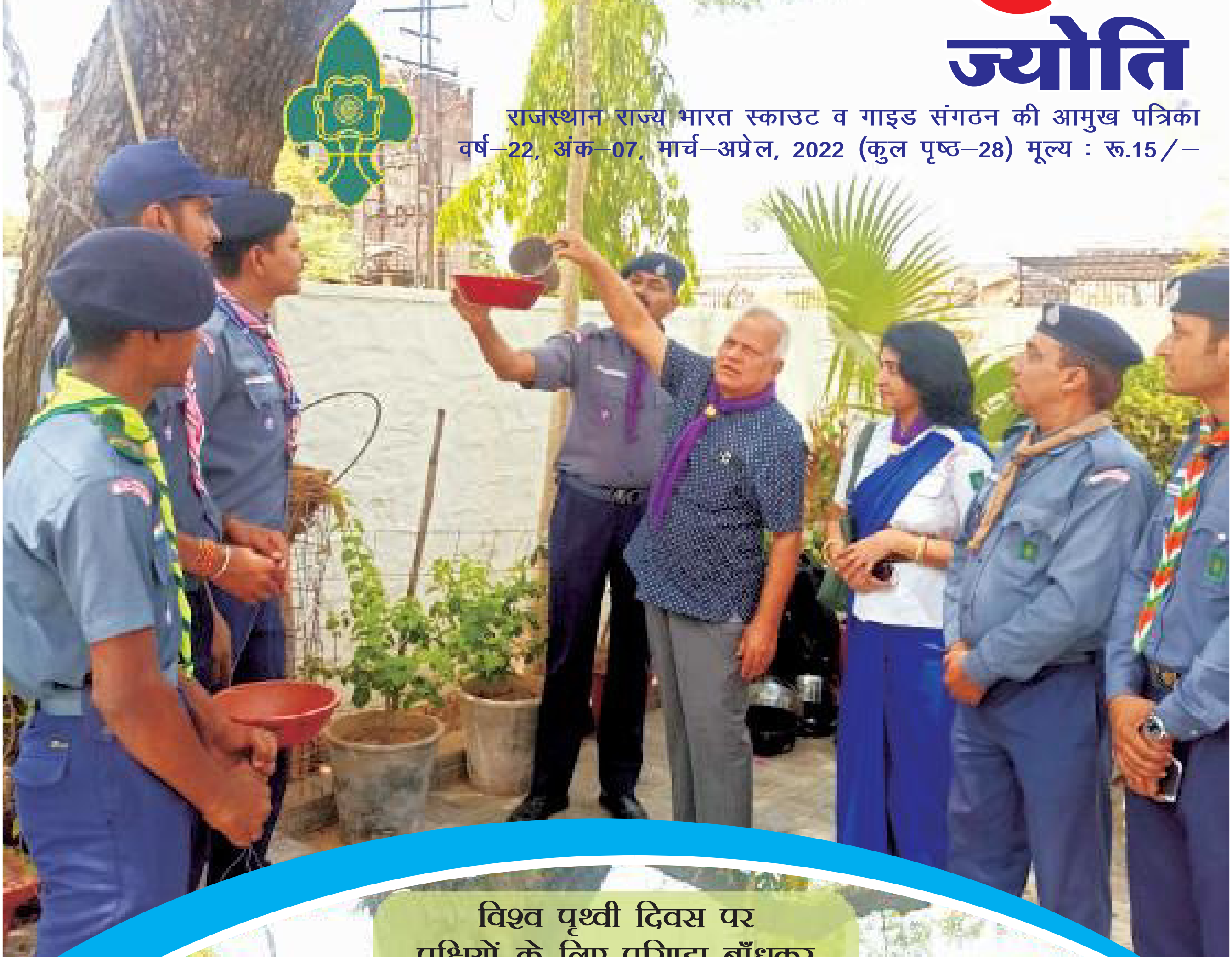

विश्व पृथ्वी दिवस पर
पक्षियों के लिए परिण्डा बाँधकर
प्रदेश स्तरीय परिण्डा अभियान
का शुभारम्भ करते हुए
स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य

जयपुर के स्थानीय संघ जालसू स्थित एन.के. पब्लिक स्कूल की स्काउट गाइड गतिविधियों के निरीक्षण के दौरान विद्यालय अधिकारियों एवं स्काउट्स व गाइड्स के साथ स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य

स्टेट चीफ कमिश्नर का अभिनंदन

स्थानीय संघ चौमूं (जयपुर) के पदाधिकारी स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य का अभिनन्दन करते हुए

महिला कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के दौरान चौमूं स्थित मोरीजा गांव में 9 मार्च को स्टार फाउंडेशन की ओर से स्टेशन रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आयोजित महिला सम्मान समारोह में रूक्मणी कुमारी और समारोह के मुख्य अतिथि स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री आर्य ने कहा कि कोरोना काल के दौरान इन कार्यकर्ताओं ने सराहनीय कार्य किया है।

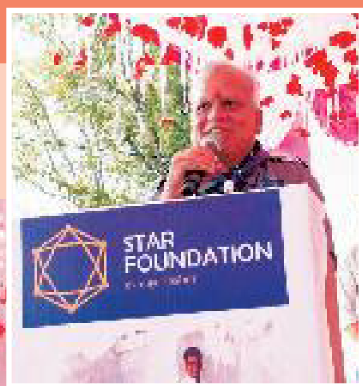

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 22 अंक : 07
मार्च–अप्रेल, 2022

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रुक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

राज्य आयुक्त (अहिंसा, शांति-समन्वय)
श्री मनीष कुमार शर्मा

ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा
राज्य कोषाध्यक्ष

सम्पादक
डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक
नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
विशेष : मुख्यमंत्री का आभार	5
राज्य कार्यकारिणी समिति	6
विश्व स्वास्थ्य दिवस–चिकित्सा मंत्री द्वारा जागरूकता पोस्टर का विमोचन	7
श्री खाटूश्याम जी मेला स्काउट गाइड सेवा शिविर	8
संभाग स्तरीय नशा–मुक्ति साइकिल रैली	10
हमारा स्वास्थ्य : आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने के 5 नियम	12
सुबोध महाविद्यालय में रक्तदान शिविर	13
प्रमुख दिवस : मातृ दिवस	14
गतिविधि दर्पण	16
हमारे महापुरूष : भारत रत्न डॉ. पांडुरंग वामन काणे	24
गतिविधि पंचाग	26
राष्ट्रीय साहसिक शिविर : दार्जिलिंग	27

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

पर्यावरण .... हर दिन कुछ करना है

पर्यावरण एक ऐसा शब्द है जो सुनने बोलने पर सुकून, ठंडक और हरियाली का अहसास कराता है। इसी के इर्द–गिर्द हमारा संपूर्ण जीवन व्यतीत होता है। परन्तु आज जब पर्यावरण को सबसे ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिये उसे ही मानव जाति सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचा रही है। इस पर भी आश्चर्य की बात यह है कि इसे बचाने के लिए कई दिवस, सप्ताहों और कार्यक्रमों का आयोजन वर्ष पर्यंत हम सभी बढ़–चढ़कर करते तो हैं परन्तु उस कार्यक्रम के साथ ही हम अपनी जिम्मेदारियों की इतिश्री मान फिर इसके दोहन की ओर अग्रसर हो जाते हैं। आज हमारी पृथ्वी का तापमान दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है, प्रदूषण बढ़ गया है। हम चिन्ता तो बहुत ज्यादा करते हैं, परन्तु काम बहुत ही कम करते हैं। केवल मात्र मानव जाति ही है जो पर्यावरण को बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार है। हमने कभी भी ऐसा ना सुना है ना ही देखा है कि किसी पशु–पक्षी, पेड़–पौधे, वनस्पति इत्यादि ने कभी इस सृष्टि को नुकसान पहुँचाया हो।

हमें अपने व्यवहार में पर्यावरण के संवर्द्धन और संरक्षण को लाना होगा। पेड़–पौधे ज्यादा से ज्यादा लगाने का बीड़ा अपने हाथों में लेना होगा। हमें यह मानना होगा कि हम इस पृथ्वी पर मेहमान हैं, इसके मालिक नहीं। लॉर्ड बैडेन पॉवेल ने कहा है कि इस दुनिया को थोड़ा बेहतर छोड़ें जितना कि आपने इसे पाया था। उनका तात्पर्य भी यही रहा कि हमें जितना मिला, हम उससे ज्यादा इस संसार में छोड़ के जाये ताकि आनी वाली पीढ़ी हमें याद करें और वो भी आने वाली पीढ़ी के लिए इस दुनिया को और अधिक बेहतर बनाने में अपना कर्तव्य निभायें।

मैं इस संगठन के सभी कार्यकर्ताओं और स्काउट गाइड से आह्वान करता हूँ कि पर्यावरण की दृष्टि से प्रत्येक दिन बहुत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन पर्यावरण को सुधारने, संरक्षण और उसके प्रति जन चेतना जागृत करने के उद्देश्य से कुछ न कुछ कार्य अवश्व करें। हम सभी पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति और अधिक संवेदनशील बनें और पूरे समाज को भी प्रेरित करें, जल संरक्षण के लिए जल की प्रत्येक बूँद को बचाने का कार्य स्वयं अपने घर से ही प्रारम्भ करें।

मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि गत माह में हमारे कुछ जिला मुख्यालयों द्वारा रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। कुछ जिलों में तो रक्तदान के शिविर नियमित रूप से आयोजित किये जाते हैं। मेरा संगठन के सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि वे अपने–अपने जिला व स्थानीय संघ, मुख्यालयों में प्रत्येक माह नियमित रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन करावें, जिससे कि हम रक्तदान के माध्यम से किसी के जिंदगी बचाने में सहायक बनें और महादान का पुण्य कमा सकें।

गर्मी के शुरूआती महिनों में ही राजस्थान की तपति गर्मी ने अपने तेवर दिखाने प्रारम्भ कर दिये हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्रति वर्ष हमें यह जानने को मिलता है कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में गर्मी में बढ़ोतरी हुई है। तपति जलति गर्मी और इसमें पानी की अहमियत को हर कोई समझता है। इंसान ही नहीं पशु–पक्षी व वनस्पति के लिए भी जीवित रहने के लिए पानी बहुत ही अहम् है।

संगठन के स्काउट गाइड, रोवर रेंजर और सभी कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व पृथ्वी दिवस पर परिण्डा अभियान के साथ पशु–पक्षियों के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने की शुरूआत कर दी है। हमें इन गर्मियों में शहर–गांव की हर गली मौहल्ले में, उद्यानों में, विद्यालयों में, चौराहों व चौपालों पर पक्षियों के लिए ज्यादा से ज्यादा परिण्डे व चुग्गा पात्र बांधने हैं और उनमें नियमित पानी व चुग्गा भरने की व्यवस्था हेतु किसी नजदीकी निवासी/कार्यकर्ता को जिम्मेदारी भी देनी है, जिससे की हमारा ध्येय पूर्ण हो सके। गांवों और शहरों में पशुओं के लिए पानी की खेली तो कई जगह बनी होती है, परन्तु उनमें पानी के स्थान पर कूड़ा–करकट भरा रहता है। अतः सर्वप्रथम उन्हें साफ करवाना है, फिर जल की आपूर्ति कर नियमितता के लिए जिम्मेदारी लेनी है। सभी से निवेदन है कि अपने कार्यों की रिपोर्ट मय फोटो इस पत्रिका में प्रकाशनार्थ अवश्व भिजवायें।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

मुख्यमंत्री को आभार

राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहनाकर किया अभिनन्दन

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का अभिनन्दन करने रविवार 6 मार्च को प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के पदाधिकारी स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य की अगुवाई में मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचे। पदाधिकारियों ने सत्र 2022–23 के राज्य बजट में की गई घोषणा के लिए मुख्यमंत्री जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं स्काउट स्कार्फ पहनाकर अभिनन्दन किया।

प्रदेश में भारत स्काउट एवं गाइड से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के रोहट–पाली में आयोजन हेतु राशि रूपये 25 करोड़ की बजट घोषणा के लिए स्काउट संगठन के पदाधिकारियों व स्काउट गाइड बालक–बालिकाओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई इस बजट घोषणा से संगठन में सर्वत्र खुशी की लहर दौड़ गई और उत्साह का संचार हुआ है। श्री आर्य ने बताया कि सभी पक्ष इस आयोजन को सुव्यवस्थित एवं भव्यतम रूप में आयोजित करने के लिए कृत संकल्पित हैं और विस्तृत रूप से तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई है।

इस अवसर पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य के अतिरिक्त श्री गिरधारी सिंह बापना, स्टेट कमिश्नर श्रीमती मुग्धा सिन्हा, श्री महेन्द्र कुमार पारख, श्री निर्मल पंवार, श्री एस.के. सोलंकी, डॉ. एस.आर. जैन, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं स्काउट गाइड उपस्थित थे।

राज्य कार्यकारिणी समिति

स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य की अध्यक्षता में समिति की बैठक का आयोजन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के जगतपुरा स्थित राज्य प्रशिक्षण केन्द्र पर राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य, आई.ए.एस.(से.नि.) की अध्यक्षता में 13 अप्रेल, 2022 को आयोजित की गई, जिसमें संगठन के स्टेट कमिश्नर (रोवर) निर्मल पंवार, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सहायक स्टेट कमिश्नर राजेन्द्र जोशी, डॉ. सुषमा सिंघवी, शकुन्तला वैष्णव सहित लगभग 11 सदस्य एवं पदाधिकारी तथा संगठन के अधिकारीगण उपस्थित रहे। स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री काना राम व स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स) महेन्द्र पारख ऑनलाइन उपस्थित रहे।

स्काउट प्रार्थना के साथ कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ होने पर स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला द्वारा राजस्थान में 66 वर्ष पश्चात 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी, रोहट (पाली) में आयोजन की घोषणा एवं 25 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के लिए कार्यकारिणी समिति एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड परिवार की ओर से माननीय मुख्य मंत्री महोदय एवं स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय का आभार व्यक्त किया गया। इस पर माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय ने माननीय मुख्यमंत्री महोदय को आभार पत्र भिजवाने के लिए निर्देश प्रदान किये।

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने पिछली बैठक की बिन्दुवार अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए वित्त समिति की अभिशंसाओं को सदन के समक्ष रखा। राज्य संगठन आयुक्त ने सत्र 2022–23 के प्रस्तावित वार्षिक कार्यक्रम से अवगत कराया, जिन पर विचार–विमर्श उपरान्त निर्णय लिये गये।

बैठक के दौरान राजस्थान में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजित कराने के मुद्दे पर समिति गठित कर शीघ्र बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया, जिस पर स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी को जम्बूरी के लिए 25 करोड़ बजट आवंटन के लिए कार्यकारिणी समिति की ओर से हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री आर्य ने जम्बूरी कौंसिल गठन के लिए एक प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष उनकी स्वीकृति हेतु भिजवाने के भी निर्देश प्रदान किये।

बैठक में राष्ट्रीय जम्बूरी के लिए तैयार कराये गये जम्बूरी लोगो, पोस्टर व सूचना पत्र के प्रारूप सदन की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये गये, जिन पर विचार–विमर्श कर सदस्यों ने अपनी राय व्यक्त की। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी अनेक प्रकार के सुझाव दिये।

अन्त में सभी उपस्थित सदस्यों एवं पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

विश्व स्वास्थ्य दिवस

चिकित्सा मंत्री द्वारा जागरूकता पोस्टर का विमोचन

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान सरकार श्री परसादी लाल मीणा ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर अपने राजकीय आवास पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, मालवीय नगर और अमृत ग्रुप जयपुर के तत्वावधान में बनवाये गए एक जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया।

श्री मीणा ने अपने संबोधन में स्काउट गाइड वालंटियर को सेवा तथा समर्पण का मसीहा बताया तथा विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आमजन को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया। राज्य में 1 अप्रैल से मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत प्रदेश वासियों को आईपीडी ओपीडी में रजिस्ट्रेशन से लेकर महंगी जांचें तक निःशुल्क किए जाने की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेशवासी बेहतर खानपान व जीवन शैली को अपनाएंगे तो निरोगी बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बीमा राशि का दायरा 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर दिया है। आमजन अब इस बीमा राशि से बिना चिंता के अस्पतालों में बेहतर इलाज करवा सकते हैं।

पोस्टर विमोचन के दौरान राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, मालवीय नगर के सचिव के.के. शर्मा, रामनाथ उदैनिया, गिर्राज शर्मा, बाबूलाल चतुर्वेदी, निलिता कक्कड़ व अमृत ग्रुप जयपुर के राजन सरदार सहित स्काउट गाइड वालंटियर मौजूद रहे।

नियुक्तियां

राज्य संगठन के माननीय राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने निम्न को राज्य संगठन में नियुक्ति प्रदान की है –

राज्य आयुक्त (अहिंसा, शांति-समन्वय)	श्री मनीष कुमार शर्मा, निदेशक, शांति अहिंसा निदेशालय, जयपुर
राज्य कोषाध्यक्ष	श्री ललित कुमार मोरोडिया, वित्तीय सलाहकार, राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन लिमिटेड, जयपुर

राज्य वित्त समिति सदस्य

श्री चेतन शर्मा	वरिष्ठ लेखाधिकारी, वित्त (व्यय), ग्रुप-१, शासन सचिवालय, जयपुर
श्री संजीव तनेजा	सांख्यिकी अधिकारी (लेखा), शिक्षा ग्रुप-१, शासन सचिवालय, जयपुर
श्री पवन नाहटा	चार्टेड एकाउन्टेण्ट, ३०६, एम्बीशन टॉवर, अग्रसेन सर्किल, जयपुर

राज्य संगठन की ओर से नव-नियुक्त पदाधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

संपादक

श्री खाटूश्याम जी मेला स्काउट गाइड सेवा शिविर

◇ **बसन्त कुमार लाटा**
सी.ओ. (स्काउट)
जिला मुख्यालय, सीकर

श्री खाटूश्यामजी फाल्गुन लक्खी मेला स्काउट गाइड सेवा शिविर 06 मार्च से 15 मार्च की सायंकाल तक संचालित किया गया, जिसमें कुल 10 दिवस लगातार चौबिसो घण्टे 135 ग्रुप में 703 स्काउट्स, 376 रोवर्स, 37 गाइड्स, 8 रेंजर्स तथा 67 पदाधिकारियों सहित कुल 1201 ने सहभागिता कर कुल 1 लाख 71 हजार घण्टे विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य कर मेला प्रशासन समिति व दर्शनार्थियों को सहयोग प्रदान किया। शिविर का संचालन बसन्त कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर द्वारा किया गया।

शिविर के दौरान किये गये सेवा कार्य -

1	उद्घोषणा	25000 से अधिक उद्धोषणा करवाई व पर्चिया बनवाई।
2	खोया पाया	3873 वस्तुएं जिसमें मुख्य रूप से पायजेब, 25मोबाईल, बैग, हाथघडी, पर्स एटीएम कार्ड, लाइसेन्स, नकद राशि, थैले, आदि जमा करवाई व सम्बन्धित तक पहुंचाई।
3	जल सेवा	पूरे मेला क्षेत्र में जगह जगह जल व्यवस्था की गई तथा 16 किलो मीटर के बेरिकेटिंग पर दर्शनार्थियों के लिए लाखों पाउचो द्वारा पानी की व्यवस्था की गई।
4	गुमशुदा की तलाश	3543 हजार लोगों को परिजनों से मिलाया जिसमें औरत, बच्चे, वृद्धजन शामिल थे।
5	पूछताछ	लाखों लोगों को विभिन्न जानकारियां प्रदान की।
6	पार्किंग व यातायात	पार्किंग स्थल पर वाहनों को सही स्थिति में खड़े करवाना, सूचना प्रदान करना, धर्मशालाओं के बारे मे जानकारी प्रदान करना।
7	भीड़ नियन्त्रण	दर्शनार्थियों को दर्शन कराने हेतु भीड़ को नियन्त्रित करने हेतु सही रास्तों की जानकारी दी।
8	बेरिकेटिंग	14 किलोमीटर बेरिकेटिंग में जगह जगह खड़े रहकर स्काउट्स ने लगातार चौबिसों घण्टे यात्रियों को कतारबद्ध किया, वृद्धों को दर्शन करवाये व उन्हें हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान की।

श्रीखाटूश्यामजी मेला सेवा शिविर में प्रशासन द्वारा निर्धारित 20 स्थानों पर शिविर के 1201 संभागी स्काउट गाइड व कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं प्रदान कर दर्शनार्थियों को विभिन्न प्रकार से सेवा व मदद प्रदान की। कार्यकर्ताओं ने प्रातः से रात्रि तक 4 प्रहरों में लगातार अपनी सेवा जारी रख मेले को सानन्द सम्पन्न कराने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया।

9	प्राथमिक चिकित्सा	4364 लोगों की प्राथमिक चिकित्सा करवाई, रास्ते के परेशान, घायल व बेहोश श्रद्धालुओं को अस्पताल पहुंचाया।
10	स्नान व्यवस्था	श्याम कुण्ड पर स्नान व्यवस्था एवं जेबकतरो से सावधान रखा।
11	प्रसाद पेकिंग बनाना	स्काउट गाइड ने 18 लाख प्रसाद के पैकेट तैयार करवाये व यात्रियों को वितरित करवाये तथा भामाशाहों द्वारा प्रदत्त बिस्किट, टॉफी, शिकन्जी, ठण्डाई, सन्तरा, चाय इत्यादि का वितरण दर्शनार्थियो को किया गया।
12	पेट पलानियां	तोरण द्वार से खाटूश्यामजी मन्दिर तक पेट पलानियों को जल, प्राथमिक चिकित्सा तथा उनकी सुरक्षा का कार्य किया।

सेवा पॉइन्ट -

श्रीखाटूश्यामजी मेला सेवा शिविर में प्रशासन द्वारा निर्धारित 20 स्थानों पर शिविर के 1201 संभागी स्काउट गाइड व कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवाएं प्रदान कर दर्शनार्थियों को विभिन्न प्रकार से सेवा व मदद प्रदान की। कार्यकर्ताओं ने प्रातः से रात्रि तक 4 प्रहरों में लगातार अपनी सेवा जारी रख मेले को सानन्द सम्पन्न कराने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया।

शेष पृष्ठ 11 पर

संभाग स्तरीय नशा-मुक्ति साइकिल रैली

मण्डल मुख्यालय, बीकानेर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बीकानेर द्वारा विश्व स्काउट एवं चिंतन दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन के नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत संभाग स्तरीय नशा मुक्ति और स्वच्छता जागरूकता साइकिल रैली को जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंडल मुख्यालय परिसर में आयोजित समारोह में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ए.एच. गौरी, भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर विमला मेघवाल, पूर्व मंडल सचिव देवानंद पुरोहित, स्थानीय संघ सचिव घनश्याम स्वामी, रोवर लीडर ष्ण कुमार खत्री आदि उपस्थित रहे। सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) मानमहेंद्र सिंह भाटी और सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुयश लोढ़ा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि लार्ड बेडेन पावेल एवं लेडी बेडेन पावेल को विश्व के सबसे बड़े यूनिफार्म धारी संगठन देने का श्रेय है, जिसके माध्यम से विश्व के कोने कोने में सेवा एवं अनुशासन का प्रशिक्षण युवा लेते हैं। इस साइकिल रैली के माध्यम से 900 किलोमीटर की लंबी यात्रा द्वारा नशा मुक्ति का संदेश देना साहस का कार्य है। अध्यक्षीय उद्बोधन में ए.एच. गौरी ने बताया कि स्काउट गाइड इस प्रकार के विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन समय–समय पर करते रहते हैं, जो युवाओं में चेतना का संचार करते हैं।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि संभाग स्तरीय साइकिल रैली में नोखा स्थानीय संघ के 7 रोवर वासुदेव चारण, रामगोपाल शर्मा, दिनेश सावंक, नसरुद्दीन तेली, विजय भार्गव, रामप्रताप एवं रामदयाल स्काउट मास्टर डॉ. विनोद चौधरी के नेतृत्व में इस रैली के माध्यम से जनसामान्य में नशा मुक्ति एवं स्वच्छता जागरूकता के प्रति संदेश दिया। सी.ओ. जसवंतसिंह राजपुरोहित ने लार्ड बेडेन पावेल एवं लेडी बेडेन पावेल के व्यक्तित्व एवं तित्व पर वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. विनोद चौधरी के नेतृत्व में रैली कृषि विश्वविद्यालय होते हुए राउमावि जामसर में रुकी जहां के संरपच एवं

ग्रामीणों ने रैली का भव्य स्वागत किया। फिर राउमावि बामनवाली, राउमावि धीरेरा में स्वागत समारोह के साथ विद्यालयों के बच्चों को नशा मुक्ति के लिये प्रेरित किया गया। राउमावि लुनकरनसर में रात्रि विश्राम एवं स्थानीय संघ सचिव भंवरलाल नैन के नेतृत्व में हरियासर होते हुए महाजन, अर्जनसर होते हुए सुरतगढ पहुचीं। जहां रात्रि विश्राम के पश्चात मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यपाल कुकणा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर श्रीगंगानगर के लिये रवाना किया। रास्ते में जी आर ग्लोबल एकेडमी में निदेशक राजाराम विश्नोई एवं स्काउटर किशोर कुमार यादव के द्वारा स्वागत किया गया। जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर पर तहसीलदार दिव्या चावला, सी.ओ. गाइड मोनिका सादव, सचिव रामकुमार स्वामी, मनोहरलाल, नीलम खुराना, रोवर लीडर प्रेम गम्भीर, इन्द्राज गोयल, आशीष अग्रवाल, विनोद गोयल आदि ने स्वागत किया एवं उत्साहवर्द्धन हेतू गिफ्ट भी प्रदान किये।

हनुमानगढ जिले से जिला कलक्टर नथमल डिडेल ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। सी.ओ. स्काउट भारतभूषण एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। पक्कासारणा में तहसीलदार हनुमानगढ दानाराम मीणा, संरपंच त्रिलोक सहारण आदि ने स्वागत किया।

जिला झुंझुनू में जिला कलक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी और अतिरिक्त जिला कलक्टर जे.पी. गौडपे ने रैली संभागियों का माला पहनाकर स्वागत अभिन्दन किया और आगे बिसाऊ के लिये रवाना किया। न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल बिसाऊ के निदेशक श्री नवीन सिहाग के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत एवं सी.ओ. गाइड सुभिता गिल ने रैली को झुंझुनू में नेतृत्व प्रदान किया।

जिला चूरू में जिला कलक्टर सिद्धार्थ सियाग ने रैली का स्वागत किया। स्थानीय संघ सचिव बजरंगपुरी एवं कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। रतनगढ में रैली का प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर भंवरला डुडी और स्थानीय संघ सचिव नरेन्द्र स्वामी एवं स्थानीय पदाधिकरियों ने स्वागत किया और रैली को सालासर के लिये रवाना की। सुजानगढ में रैली का स्वागत हुआ। तालछापर का अवलोकन भी संभागियों ने किया। रैली जसरासर गांव, मुकाम बिश्नोई धर्मशाला होते हुए 07 मार्च को नोखा पहुंची।

मांगीलाल बागडी राजकीय महाविद्यालय में रैली का भव्य स्वागत पालिका उपाध्यक्ष निर्मल भूरा, समाज सेवी, आसकरण भट्टड कॉलेज प्राचार्य डॉ. मूलचन्द माली, स्थानीय संघ सचिव राजेन्द्र सिंह राठौड, रोवर लीडर तेजकरण चौहान ने स्वागत किया। सी.ओ. स्काउट जसवन्तसिंह राजपुरोहित ने मण्डल मुख्यालय बीकानेर की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किये।

श्रीखाटूश्याम जी मेला स्काउट गाइड सेवा शिविर

पृष्ठ 9 का शेष

आर्थिक सहयोग -

1 स्काउट गाइड के मेला समापन समारोह रखा गया, जिसमें श्री मनोज कुमार अग्रवाल एवं श्री तीन बाणधारी संघ कोलकाता की ओर से समस्त स्काउट गाइड को स्पेशल गरम खाने के टिफिन प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिसकी लागत 1,20,000 रूपये है।

2 11000 रूपये लागत के प्रमाण पत्र, बैनर व अन्य श्री श्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा सहयोग।

3 श्री श्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्याजी द्वारा स्काउट गाइड को वास्तविक आने व जाने का किराया पेटे कुल 1,51,000 रूपये प्रदान किये।

4 दोनों समय का भोजन श्री श्याम मन्दिर कमेटी के आग्रह से श्री किशन लाल एवं सहयोगियों द्वारा 5 दोनों समय के नाश्ते की श्रीश्याम अखण्ड सेवा समिति सूरत द्वारा व्यवस्था की गई। जिसकी लागत लगभग 6 लाख रूपये रही।

6 4 हजार रूपये के बैनर, परिचय पत्र, फोटो स्टेट कार्य श्रीश्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा कराया गया।

7 स्काउट गाइड के रहने के लिए श्री श्यामन्दिर कमेटी ने 2 डोम कालिन सहित लगाए व सबको बिस्तर रजाई गद्दे भी उपलब्ध कराये गये।

8 भाग्योदय प्रकाशन की ओर से एक एक मोमेन्टो व एक एक मास्क प्रदान किये।

9 श्री श्याम मण्डल बरवाला की ओर से सभी संभागियों को प्रसाद प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस प्रकार यह विशाल सेवा शिविर बाबा श्याम की कृपा एवं छत्रछाया में निर्विघ्न यादगार स्मृति व समाज सेवा के उदाहरण के साथ सम्पन्न हुआ। इस कार्य की राज्य संगठन, मण्डल संगठन, जिला प्रशासन, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी मा.शि. मुख्यालय व प्रा.शि. सीकर, समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ग्राम पंचायत खाटू, समस्त सी.ओ. स्काउट जयपुर, अलवर, दौसा, गंगानगर, बून्दी, चूरू, झून्झूनू एवं स्थानीय संघ मुख्यालयों के प्रभारी कमिश्नर, स्काउट गाइड, सचिव, संस्था प्रधान, स्काउट मास्टर, रोवर लीडर, गाइड कैप्टिन तथा स्काउट गाइड का पूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन रहा, जिसकी बदौलत ऐतिहासिक सेवा कार्य बिना किसी रूकावट के साथ सम्पन्न हुआ।

हमारा स्वास्थ्य

आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने के 5 नियम

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

अपनी बात को शुरू करने से पहले मैं श्रीमद्भगवत गीता के 17 वें अध्याय के 8वें, 9वें और 10वें श्लोक को कहना चाहूँगा जो आयुर्वेद के सार को निरूपित करते हैं।

आयु:,सत्त्वबलारोग्यसुखप्रीतिविवर्धना:।
रस्या: स्निग्धा:स्थिरा हृद्याआहारा:
सात्त्विकप्रिया:।।८।।

अर्थात– जो भोजन सात्त्विक व्यक्तियों को प्रिय होता है, वह आयु बढ़ाने वाला, जीवन को शुद्ध करने वाला तथा बल स्वास्थ्य, सुख तथा तृप्ति प्रदान करने वाला होता है। ऐसा भोजन रसमय, स्निग्ध, स्वास्थ्यप्रद तथा हृदय को भाने वाला होता है।

कट्वम्लवणात्युष्णतीक्ष्णरूक्षविदाहिन:।
आहारा राजसस्येष्टा
दु:खशोकामयप्रदा:।।९।।

अर्थात– अत्यधिक तिक्त, खट्टे, नमकीन, गरम, चटपटे, शुष्क तथा जलन उत्पन्न करने वाले भोजन रजो गुणी व्यक्तियों को प्रिय होते हैं। ऐसे भोजन दु:ख, शोक तथा रोग उत्पन्न करने वाले हैं।

यातयामं गतरसं पूति पर्युषितं च यत्।
उच्छिष्टमपि चामेध्यं भोजनं
तामसप्रियम् ।। १० ।।

अर्थात– खाने से तीन घण्टे पूर्व पकाया गया, स्वादहीन, वियोजित एवं सड़ा, जूठा तथा अस्पृस्य वस्तुओं से युक्त भोजन उन लोगों को प्रिय होता है, जो तामसी होते हैं।

अब बात करते है आयुर्वेद के उन 5 नियमों की जिनका हमें भोजन के विषय में पालन करना चाहिये।

नियम १: चबा चबा कर भोजन करना

हमें भोजन चबा चबा कर करना चाहिये। एक कहावत है – खाओ कम चबाओं ज्यादा।

आयुर्वेद के अनुसार हमें एक कौर भोजन को 32 बार चबाना चाहिये। और यदि 32 बार न चबा सकें तो कम से कम 20 बार तो अवश्य चबाना चाहिये। अब इसका मतलब यह नहीं है, कि हम गिनती करना शुरू कर दें। हमें भोजन को इतना चबाना चाहिये ताकि उसे आराम से निगला जा सके। ऐसा करने से भोजन आसानी से पच सकेगा और आपको उससे होने वाला लाभ भी पूरा–पूरा मिल सकेगा

नियम २: भोजन जल और वायु में सन्तुलन

आयुर्वेद के अनुसार हमें अपने पेट का 50 फीसदी भाग भोजन से और 25 फीसदी भाग जल से भरना चाहिये और बचा हुआ 25 फीसदी भाग वायु के लिये खाली छोड़ देना चाहिये।

नियम ३: सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं

आयुर्वेद के अनुसार सूर्यास्त के बाद आहार नहीं लेना चाहिए क्योंकि सूर्यास्त के बाद हमारे पेट की अग्नि मन्द पड़ जाती है, और हमारे भोजन पचाने की क्षमता कम हो जाती है। इसीलिये दोपहर का भोजन भारी किया जाता है क्योंकि उस समय सूर्य प्रखर होता है।

परन्तु वर्तमान समय की जीवन शैली को देखते हुए यदि ऐसा करना सम्भव न हो तो आप कम–से–कम सोने से 4 घण्टे पहले भोजन जरूर कर लें। आप अपनी दिनचर्या के अनुसार समय तय कर लें। यदि

आयुर्वेद के अनुसार हमें एक कौर भोजन को 32 बार चबाना चाहिये। और यदि 32 बार न चबा सकें तो कम से कम 20 बार तो अवश्य चबाना चाहिये। अब इसका मतलब यह नहीं है, कि हम गिनती करना शुरू कर दें। हमें भोजन को इतना चबाना चाहिये ताकि उसे आराम से निगला जा सके। ऐसा करने से भोजन आसानी से पच सकेगा और आपको उससे होने वाला लाभ भी पूरा-पूरा मिल सकेगा।

आप रात 12 बजे सोते हैं तो आप 8 बजे तक खाना खा ले और यदि आप रात 1 बजे तक सोते हैं तो आप 9 बजे तक खाना खा सकते है।

रात का भोजन दोपहर के भोजन से हल्का होना चाहिये। और दोपहर के भोजन से कम भी।

नियम ४: प्राकृतिक भोजन करें

आयुर्वेद के अनुसार हम जो भोजन करें उसमें कृत्रिमता न हो। अर्थात फल सब्जियाँ और अनाज इनको इनके मूल रूप में खाये बिना पका कर। और पैकेज्ड किया हुआ भोजन, जिस भोजन में preservative मिला हो और फ्रिज में अधिक दिन तक स्टोर किया हुआ भोजन हमें नहीं करना चाहिये।

अपने भोजन में दिन में एक समय कच्ची सब्जियाँ, फल और सलाद का सेवन जरूर करें। यदि सम्भव हो तो सुबह अंकुरित अन्न का नाश्ता करें।

नियम ५: भोजन करने का सही क्रम

आयुर्वेद के अनुसार भोजन करने का एक क्रम होता है, जिसका हमे पालन करना चाहिये। हमारे आहार में षठरस (6–Tastes) होते हैं। जिनका क्रम से हमें अपने भोजन में उपयोग करना होता है। हमें अपने खाने की शुरूआत मीठे से करनी चाहिये। परन्तु वर्तमान समय में हम इसको सबसे बाद में खाते हैं। यह गलत है।

मीठे (Sweet) के बाद हमें खट्टा (Sour) खाना चाहिये। और खट्टे के बाद नमकीन (Salty) और उसके बाद तीखा (Pungent) और उसके बाद कड़वा (Bitter) और भोजन के अन्त में हमें कसैला (Astringent) पदार्थ खाना चाहिये। यानी क्रम कुछ इस प्रकार होना चाहिए :

मीठा
खट्टा
नमकीन
तीखा
कड़वा
कसैला

यदि आप स्वस्थ्य हैं तो अपने भोजन में इन 6 रसों का उपयोग कीजिये। और यदि आप अस्वस्थ्य हैं तो अपनी प्रकृति (वात, पित्त, कफ) के अनुसार भोजन में इन रसों का उपयोग कीजिये। उक्त 5 नियमों का यदि हम पालन करते हैं तो पेट में भारीपन, गैस, कब्ज, पेचिस जैसी तमाम बीमारियों से स्वय को बचा सकते हैं।

साभार – www.achhikhabar.com

सुबोध महाविद्यालय में रक्तदान शिविर

रक्त दान महादान है। रक्तदान से कई जिंदगियां बचाई जा सकतीं हैं। इसी को चरितार्थ करते हुए एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयपुर में 30 मार्च 2022 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन महाविद्यालय के रेंजर्स तथा रोवर्स इकाई के डॉ. पवन कुमार शर्मा तथा डॉ. ऋचा सिंघल की ओर से किया गया।

शिविर का उद्घाटन डॉ. प्रताप सिंह खाचरियावास द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। रक्त दान सबसे बड़ा दान है। रक्तदान से बड़ा न तो कोई धर्म है, न ही कोई दान। मैं आपकी मदद को हमेशा तैयार हूँ। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस शिविर में शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा भी बढ चढकर रक्तदान किया गया। शिविर में 400 छात्र–छात्राओं द्वारा पंजीकरण कराया गया, जिसमें से 350 यूनिट ब्लड जमा हुआ। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. दीपिका मिश्रा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। यह ब्लड सुमन ब्लड बैंक में जमा कराया गया।

प्रमुख दिवस

मातृ दिवस

◆ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

क्या कभी आपने सोचा है कि ठोकर लगने पर या मुसीबत की घड़ी में माँ ही क्यों याद आती है क्योंकि वो माँ ही होती है जो हमें तब से जानती है जब हम अजन्में होते हैं। बचपन में हमारा रातों का जागना.. जिस वजह से कई रातों तक माँ सो भी नहीं पाती थी। जितना माँ ने हमारे लिए किया है उतना कोई दूसरा कर ही नहीं सकता। जाहिर है माँ के प्रति आभार व्यक्तकरने के लिए एक दिन नहीं बल्कि एक सदी भी कम है।

मातृ दिवस प्रत्येक वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को मातृ दिवस मनाया जाता है। माँ को खुशियाँ और सम्मान देने के लिए पूरी जिंदगी भी कम होती है। फिर भी विश्व में माँ के सम्मान में मातृ दिवस मनाया जाता है। मातृ दिवस विश्व के अलग–अलग भागों में अलग–अलग तरीकों से मनाया जाता है, परन्तु मई माह के दूसरे रविवार को सर्वाधिक महत्त्व दिया जाता है। हालांकि भारत के कुछ भागों में इसे 19 अगस्त को भी मनाया जाता है, परन्तु अधिक महत्ता अमरीकी आधार पर मनाए जाने वाले मातृ दिवस की है, अमेरिका में यह दिन इतना महत्त्वपूर्ण है कि यह एकदम से उत्सव की तरह मनाया जाता है।

इतिहास

मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में बसंत ऋतु के आगमन पर रिहा परमेश्वर की माँ को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैण्ड का ईसाई समुदाय ईशु की माँ मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए यह त्योहार मनाने लगा। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान् भूमिका को सलाम करना है। इस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने 8 मई, 1914 को लिया। 8 मई, 1914 में अन्ना की कठिन मेहनत के बाद तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और माँ के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तीकरण होना चाहिए, जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तब से हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है।

मातृ दिवस पर माँ बच्चा

मदर्स डे की शुरुआत अमेरिका से हुई। वहाँ एक कवयित्री और लेखिका जूलिया वार्ड होव ने 1870 में 10 मई को माँ के नाम समर्पित करते हुए कई रचनाएँ लिखीं। वे मानती थीं कि महिलाओं की सामाजिक जिम्मेदारी व्यापक होनी चाहिए। अमेरिका में मातृ दिवस (मदर्स डे) पर राष्ट्रीय अवकाश होता है। अलग–अलग देशों में मदर्स डे अलग अलग तारीख पर मनाया जाता है। भारत में भी मदर्स डे का महत्व बढ़ रहा है।

माँ से जुड़ी कुछ बातें

जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो एकमात्र ऐसा दिन था मेरे जीवन का जब मैं रो रहा था और मेरी माँ के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी। ये शब्द हैं प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के। एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है, ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियां अपने आप में सम्पूर्ण हैं। किसी औलाद के लिए 'माँ' शब्द का मतलब सिर्फ पुकारने या फिर संबोधित करने से ही नहीं होता बल्कि उसके लिए माँ शब्द में ही सारी दुनिया बसती है, दूसरी ओर संतान की खुशी और उसका सुख ही माँ के लिए उसका संसार होता है। क्या कभी आपने सोचा है कि ठोकर लगने पर या मुसीबत की घड़ी में माँ ही क्यों याद

आती है क्योंकि वो माँ ही होती है जो हमें तब से जानती है जब हम अजन्में होते हैं। बचपन में हमारा रातों का जागना.. जिस वजह से कई रातों तक माँ सो भी नहीं पाती थी। जितना माँ ने हमारे लिए किया है उतना कोई दूसरा कर ही नहीं सकता। जाहिर है माँ के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए एक दिन नहीं बल्कि एक सदी भी कम है।

पृथिव्यां पुत्रास्ते जननि
बहवः सन्ति सरलाः
परं तेषां मध्ये विरलतरलोऽहं
तव सुतः।
मदीयोऽयं त्यागः समुचितमिदं
नो तव शिवे
कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि
कुमाता न भवति

अर्थात : पृथ्वी पर जितने भी पुत्रों की माँ हैं, वह अत्यंत सरल रूप में हैं। कहने का मतलब कि माँ एकदम से सहज रूप में होती हैं। वे अपने पुत्रों पर शीघ्रता से प्रसन्न हो जाती हैं। वह अपनी समस्त खुशियां पुत्रों के लिए त्याग देती हैं, क्योंकि पुत्र कुपुत्र हो सकता है, लेकिन माता कुमाता नहीं हो सकती।

निदा फाजली का दोहा –

इक पलड़े में प्यार रख,

दूजे में संसार,

तोले से ही जानिए,

किसमें कितना प्यार

बेटा....! कहीं चोट तो नहीं लगी

देश के सुदूर पश्चिम में स्थित अर्बुदांचल की एक जीवंत संस्कृति है, जहां विपुल मात्रा में कथा, बोध कथाएं, कहानियां, गीत, संगीत लोक में प्रचलित है। माँ की ममता पर यहां लोक में एक कहानी प्रचलित है, जो अविरल प्रस्तुत किया जाता रहा है। कहते हैं एक बार एक युवक को एक लड़की पर दिल आ गया। प्रेम में वह ऐसा खोया कि वह सबकुछ भुला बैठा। लड़के के शादी का प्रस्ताव रखने पर लड़की ने जवाब दिया कि वह उससे विवाह करने को तैयार तो है, लेकिन वह अपनी सास के रूप में किसी को देखना नहीं चाहती। अतः वह अपनी माँ का कत्ल कर उसका कलेजा निकाल लाए, तो वह उससे शादी करेगी। युवक पहले काफी दुविधा में रहा, लेकिन फिर अपनी माशूका के लिए माँ का कत्ल कर उसका कलेजा निकाल तेजी से प्रेमिका की ओर बढ़ा। तेजी में जाने की हड़बड़ी में उसे ठोकर लगी और वह गिर पड़ा। इस पर माँ का कलेजा गिर पड़ा और कलेजे से आवाज आई, बेटा, कहीं चोट तो नहीं लगी...आ बेटा, पट्टी बांध दूं...।

माँ में छिपी है सृष्टि

माँ शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। माँ के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किसी शब्दों में नहीं होती। इसका अनुभव भी एक माँ ही कर सकती है। माँ अपने आप में पूर्ण संस्कारवान, मनुष्यत्व व सरलता के गुणों का सागर है। माँ जन्मदाता ही नहीं, बल्कि पालन–पोषण करने वाली भी है।

मां है ममता का सागर

मां तो ममता की सागर होती है। जब वह बच्चे को जन्म देकर बड़ा करती है तो उसे इस बात की खुशी होती है, उसके लाड़ले पुत्र–पुत्री से अब सुख मिल जाएगा। लेकिन माँ की इस ममता को नहीं समझने वाले कुछ बच्चे यह भूल बैठते हैं कि इनके पालन–पोषण के दौरान इस माँ ने कितनी कठिनाइयां झेली होगी।

कैसे बनाएँ इस दिन को यादगार

सुबह उठते ही अपनी माँ को इस दिन की बधाई दें। यदि आपको उनके हाथ का भोजन बहुत पंसद है, और खाना बनाना उनका शौक भी है, तो उन्हें नए और स्वादिष्ट व्यंजन की एक किताब व डिनर टेबल गिफ्ट सेट जैसा कुछ उपहार दें।

यदि उन्हें संगीत का शौक है, तो उनके पसन्दीदा गानों व संगीत की कोई डीवीडी व कैसेट् उपहार में दें, जिससे व खाली समय में घर का काम करते समय सुन सकें।

आए दिन छोटे होते घरों को देखते हुए आप उन्हें एक 'होम गार्डन' भी उपहार में दे सकते हैं। ये छोटा बगीचा घर की रौनक भी बढ़ाएगा और आपकी माँ को व्यस्त भी रखेगा। सुन्दर पौधे घर में बेहतर वातावरण भी बनाए रखेगा।

आपका घर व किचन एक ऐसा स्थान है, जहाँ आपकी माँ अधिक समय बिताती हैं। तो इस अवसर पर आप ड्राइंग रूम और बेडरूम के साथ–साथ किचन को भी अच्छे से सजा सकते हैं।

उन्हें कहीं बाहर घुमाने ले जाएँ और यदि किसी नजदीकी जगह पर घूमने का कार्यक्रम बना सकते हों, तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है। मूड़ बदलने के साथ–साथ आपकी पिकनिक ट्रिप उन्हें प्रकृति के करीब लाएगी और वे बेहतर महसूस करेगीं।

इस प्रकार आप अपनी माँ के लिए मातृ दिवस (मदर्स डे) स्पेशल बना सकते हैं। अगाथा क्रिस्टी के शब्दों में, एक शिशु के लिए उसकी माँ का लाड़–प्यार दुनिया की किसी भी वस्तु के सामने अतुलनीय है। इस प्रेम की कोई सीमा नहीं होती और ये किसी कानून को नहीं मानता।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, शिविर इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

अनुसूचित जाति के बालक बालिकाओं ने सीखे स्काउट गाइड कौशल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भीलवाड़ा के तत्वावधान में 21 से 25 फरवरी तक आयोजित हुए जिला स्तरीय अनुसूचित जाति स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविर में अनुसूचित जाति के बालक बालिकाओं को स्काउट–गाइड कला एवं कौशल सिखाए गये। सी.ओ. गाइड अनीता तिवारी ने बताया कि स्काउट प्रशिक्षण शिविर में संचालक प्रेम शंकर जोशी सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट के नेतृत्व में नियम, प्रतिज्ञा, झंडा गीत, प्रार्थना, ध्वज शिष्टाचार, कैंप क्राफ्ट, सर्वधर्म प्रार्थना सभा, बीपी सिक्स व्यायाम, पायनियरिंग, खोज के चिन्ह, हाइक, पोशाक विषयों का गहन प्रशिक्षण देने के साथ–साथ मनोरंजन के लिए शिविर ज्वाल कार्यक्रम के तहत लोकगीत, लोकनृत्य, लघु नाटिका का श्रेष्ठ प्रदर्शन करना सिखाया गया। समापन के अवसर पर आत्मरक्षा तथा योग–प्राणायाम का प्रशिक्षण भी संभागियों को प्रदान किया गया। शिविर में आयुष सैनी, गोविंद सोलंकी, रामकन्या जीनगर, केसर प्रजापत स्काउटर–गाइडर ने प्रशिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की।

पॉलीथिन के बहिष्कार का लिया संकल्प

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर में संचालित स्काउट इको क्लब व गाइड कंपनी के तत्वावधान में राजस्थान दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्या उर्मिला जोशी ने जन सामान्य व स्काउट गाइड को निःशुल्क कपड़े के थैले वितरित करते हुए कहा कि पॉलीथिन नष्ट नहीं होता है, तथा नालियों में जमकर गंदगी फैलाता है, पशुओं के पेट में जाकर बीमारियां फैलाता है एवं हर प्रकार से मानव जीवन तथा पर्यावरण के लिए खतरा है। अतः हमें हमारे दैनिक जीवन में कपड़े के थैले व कागज की थैलियों का उपयोग करना चाहिए एवं पॉलीथिन का बहिष्कार करना चाहिए। स्काउट गाइड अपनी संकल्प शक्ति से पॉलीथिन के विरुद्ध जनचेतना जागृत करने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट प्रेम शंकर जोशी ने इस अवसर पर सभी को जीवन में पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने एवं अपने संपर्क में आने वाले लोगों को भी पॉलीथिन का बहिष्कार करने हेतु प्रेरित करने का संकल्प दिलाया तथा कहा कि राजस्थान दिवस के अवसर पर हमें हमारे राजस्थान के गौरवशाली इतिहास को स्मरण करते हुए अब स्वच्छ और स्वस्थ राजस्थान बनाने के लिए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम में व्याख्याता कविता शर्मा, मंजू जोशी, शशि कला शर्मा, गाइड कैप्टन संगीता व्यास, वरिष्ठ अध्यापिका सुषमा पालीवाल, अनिला जैन सहित सहयोगी अंजू शकीरा उपस्थित थे। सभी ने स्काउट–गाइड बालकों के प्रेरणादाई कार्यक्रम की सराहना की।

शहीदों की पुण्यतिथि पर शांति प्रार्थना कर, लिया देश सेवा का संकल्प।'

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के तहत 23 मार्च को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर में संचालित स्काउट ट्रूप, गाइड कंपनी के सदस्यों ने शहीद

भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव की पुण्यतिथि पर उनकी आत्मा की शांति हेतु शांति प्रार्थना कर देश सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केंद्र भीलवाड़ा सुमित यादव ने स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए कहा कि हम सीमा पर जाकर नहीं लड़ सकते लेकिन कठोर परिश्रम व लगन से पढ़ाई करके अपने आप को किसी भी क्षेत्र में इतना योग्य बना लें कि हम देश की सेवा कर सकें यही हमारे शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी ने सभी स्काउट गाइड से देशभक्ति के नारे लगवाते हुए कहा कि जब भी अवसर आए स्काउट–गाइड को सेवा के लिए तैयार रहना है। इस अवसर पर सभी को सुनागरिक बनने एवं देश सेवा के लिए तत्पर रहने का संकल्प दिलाया गया। प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी ने कोविड–19 के दौरान व अन्य अवसरों पर स्काउट गाइड द्वारा किए गए सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वास्तव में स्काउट–गाइड बालक सेवाभावी, वफादार, ईमानदार, साहसी होते हैं।

बीकानेर मण्डल

पद यात्रा में स्काउट गाइड ने की सहभागिता

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, हनुमानगढ़ के तत्वावधान में आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में आयोजित पदयात्रा में स्काउट गाइड ने सहभागिता की। पद यात्रा कलेक्ट्रेट परिसर से सभापति गणेशराज बंसल, जिला परिषद सी.ओ. अशोक कुमार असीजा, सहायक निदेशक समाज कल्याण विभाग हनुमानगढ़ विक्रम सिंह शेखावत, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा हनुमानगढ़ हंसराज जाजेवाल, पीआरओ सुरेश बिश्नोई, जिला संयोजक गांधी दर्शन समिति हनुमानगढ़ तरुण विजय, कार्यालय अधीक्षक

जिला कलक्टर कार्यालय हनुमानगढ़ ब्रजमोहन शोंखल, सी. ओ. स्काउट हनुमानगढ़ भारत भूषण ने पद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लगभग 200 स्काउट गाइड एव यूनिट लीडर्स ने पद यात्रा में भाग लिया।

जयपुर मण्डल

राज्य स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र गाइड व रेंजर जाँच शिविर

◈ भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में 11 से 15 मार्च, 2022 तक स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र, मण्डल मुख्यालय, बनीपार्क–जयपुर पर राज्य स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र गाइड व रेंजर के जांच शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति अवार्ड गाइड जांच शिविर की संचालिका संतोष निर्वाण थी तथा राष्ट्रपति अवार्ड रेंजर जांच शिविर का संचालन नीता शर्मा सहा.राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) जयपुर ने किया। इसके अतिरिक्त अन्य स्टाफ राजस्थान से लगाया गया तथा दोनो (गाइड व रेंजर) विभागों की जांच शिविर हेतु 3–3 परीक्षक तथा 1–1 मुख्य परीक्षक राष्ट्रीय मुख्यालय से भिजवाये गए थे। जाँच शिविरों में 153 गाइड्स व 103 रेंजर्स, कुल 256 परीक्षार्थियों ने सहभागिता की।

शिविर के अंतिम दिन परीक्षक व मुख्य परीक्षक द्वारा परिणाम सूची तैयार की गई, जिन्हें संचालकों द्वारा राज्य मुख्यालय के माध्यम से राष्ट्रीय मुख्यालय भिजवा दिया गया। शिविर के दौरान स्टेट कमिश्नर (रोवर) निर्मल पंवार द्वारा अतिथि के रूप में शिविर का विजिट किया गया। शिविर के दौरान प्रवेश से लेकर राष्ट्रपति अवार्ड तक की एपीआरओ पार्ट–III के अनुसार तथा सिलेबस के अनुसार लिखित एवं मौखिक/प्रायोगिक सभी प्रकार की जांच परीक्षाएं ली गई।

जोधपुर मण्डल

शहीद दिवस मनाया

राष्ट्र के लिये बलिदानी जीवन ही सफल जीवन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही में शहीद दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रधानाचार्य राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरोही श्रीमती हीरा खत्री के अनुसार कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी सिरोही रमेश कुमार बहेडिया, महात्मा गांधी जीवन

दर्शन समिति के जिला संयोजक राजेंद्र सांखला, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक श्रीमती गंगा कलावंत, स्काउट सी ओ नरेंद्र कुमार खोरवाल, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी गणपत सिंह देवड़ा का आतिथ्य रहा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये उपखण्ड अधिकारी बहेडिया ने राष्ट्र के लिये बलिदानी जीवन को सफल जीवन बताया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक श्रीमती गंगा कलावंत ने युवाओं के बलिदान से देश की क्रान्ति में आये विशेष उबाल, जोश पर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम संचालक व मुख्य वार्ताकार शिक्षक गोपालसिंह राव ने शहीद भगतसिंह, राज गुरु, सुखदेव के जीवन चरित्र, त्याग, बलिदान पर वार्ता दी। गांधी जीवन दर्शन समिति के संयोजक राजेन्द्र सांखला ने गांधीजी के जीवन दर्शन, शान्ति एवं अहिंसा निदेशालय की स्थापना तथा निदेशालय के कार्यों पर प्रकाश डाला। सी.ओ. नरेन्द्र कुमार खोरवाल, कार्यक्रम संयोजक हीरा खत्री ने आभार जताया।

विश्व वानिकी दिवस पर निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

◈ उप वन संरक्षक सिरोही द्वारा 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस पर आयोजित निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही पर किया गया। रेंजर चुन्नीलाल पुरोहित के अनुसार कार्यक्रम के अतिथि सीआई कोतवाली सिरोही राजेन्द्र राजपुरोहित, रेंजर लक्ष्मण सुरेशा, सी.ओ. स्काउट नरेन्द्र खोरवाल रहे। अतिथियों ने तुलसी का पूजन कर पौधारोपण किया। कार्यक्रम संचालक गोपालसिंह राव ने वन, वन्यप्राणियों, पेड़, पौधों की महत्ता तथा विश्व वानिकी दिवस पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए रेंजर लक्ष्मण सुरेशा ने जल, वन, वायु की उपयोगिता व संरक्षण पर मार्गदर्शन किया। सीई कोतवाली सिरोही राजेन्द्र राजपुरोहित ने बालिकाओं तथा महिलाओं की सुरक्षा, सावधानी तथा हैल्प लाइन से संबंधित जानकारी गाइड, एनएसएस, रोवर, रेंजर व उपस्थित महिला वनपाल, सहायक वनपालों को दी। सी.ओ. स्काउट नरेन्द्र खोरवाल ने वन है तो कल है तथा पेड़ों से वायु, वायु से आयु

विषय पर जीवनोपयोगी वार्ता दी। कार्यक्रम में बीज एकत्रीकरण की जानकारी गजेन्द्रसिंह ने दी। निर्णायक कमेटी के सदस्य एनएसएस प्रभारी वर्षा त्रिवेदी, गाइडर इन्द्रा खत्री, स्काउटर गोपालसिंह राव के अनुसार चित्रकला प्रतियोगिता में बालिका विद्यालय सिरोही की गिरजा कुमारी अव्वल रही। दीक्षा रावल द्वितीय तथा मनीष कुमार राजकीय महाविद्यालय सिरोही तृतीय स्थान पर रहे। निबंध प्रतियोगिता में कोमल कंवर बालिका विद्यालय प्रथम, महिला महाविद्यालय से सुमित्रा कुमारी द्वितीय व प्रेरणा कुमारी तृतीय स्थान पर रही। विजेताओं को जिला कलेक्टर व डीएफओ के हस्ताक्षर युक्त प्रशस्ति पत्र के साथ स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत किया जाएगा।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत दांडी यात्रा निकाल दिया शांति का संदेश

◈ शांति एवं अहिंसा निदेशालय जयपुर के आदेश के अनुपालन में भारत की स्वतंत्रता की वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 12 मार्च को भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा दांडी यात्रा दिवस के उपलक्ष्य में सिरोही जिला मुख्यालय पर रैली का आयोजन किया गया।

अंहिसा सर्कल पर रैली को अतिरिक्त जिला कलेक्टर कालूराम खौड, महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के जिला संयोजक राजेंद्र सांखला एवं नगर परिषद् के सभापति महेन्द्र मेवाड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के मुख्य मार्गों यथा अहिंसा सर्कल, जेल चौराहा, सरजावा गेट, एक्सकोन प्लाजा, बग्गीखाना, पैलेस रोड होते हुए गांधी पार्क पहुँची।

गांधी पार्क में रैली को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि जिला संयोजक राजेन्द्र सांखला ने गांधी जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला तथा मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी भंवरसिंह, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) श्रीमती गंगा कलावंत, सिरोही ब्लॉक सह संयोजक जयंतीलाल माली, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी गणपत सिंह देवड़ा ने भी गांधीजी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा समग्र शिक्षा के अधिकारी मूलशंकर मेघवाल ने अतिथिगणों, उपस्थित जनों, जिला प्रशासन, नगरपरिषद के अधिकारियों द्वारा सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम से पूर्व गांधी पार्क में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर अतिथियों व उपस्थित जनों ने पुष्पहार पहनाकर दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि दी।

कोटा मण्डल

बढ़-चढ़कर किया रक्तदान और देहदान करने और जागरूकता लाने का लिया संकल्प

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, कोटा के तत्वावधान में संचालित राज्य पुरस्कार एवं निपुण रोवर प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ दिवस सीनियर रोवर विनय राज सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ सर्वप्रथम सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर एवं कोटा के पूर्व जिला कमिश्नर एवं स्थानीय संघ उप प्रधान वरुण रस्सेवट ने रक्तदान देकर किया। इस अवसर पर कनिष्ठ सहायक राकेश कसेरा के नेतृत्व में रोवर रेंजर ने काफी संख्या में रक्तदान

किया। रक्तदान शिविर से पूर्व देह दान जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टर प्रतिमा जायसवाल द्वारा देहदान किस प्रकार किया जाता है एवं देहदान के महत्व को विस्तार से जन जागरूकता हेतु रोवर रेंजर को समझाया। सर्कल ऑर्गेनाइजर प्रदीप चित्तौड़ा ने सभी रक्त दाताओं का एवं देहदान जागरूकता में आमजन को जागरूक करने के लिए रोवर रेंजर को आवाहन करते हुए ज्यादा से ज्यादा यह करने के लिए जागृत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर देहदान जागरूकता शिविर के अंतर्गत एक आमजन राम अवतार ने देह दान करने का संकल्प लेते हुए संकल्प फार्म भरा। इस संकल्प फार्म भरने पर पूरे स्काउट परिवार ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

स्काउट गाइड ने स्वच्छता रैली निकाल किया स्वच्छता के प्रति जागरूक, गढ़ पार्क में की सफाई

◈ भारत स्काउट व गाइड द्वारा जिला मुख्यालय, झालावाड़ पर आयोजित राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में 15 मार्च को मुख्य अतिथि श्रीमति कल्पना पाठक पूर्व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी झालरापाटन द्वारा प्रातः ध्वजारोहण किया गया। उसके पश्चात जिला मुख्यालय से मंगलपुरा तक स्वच्छता कार्यक्रम रैली का आयोजन किया, जिसके बाद लीडर ट्रेनर कृष्ण मोहन देवड़ा द्वारा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा रैली समाप्त होने के पश्चात गढ पार्क में सभी स्काउट गाइड द्वारा सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति

जागरूक किया गया। इस अवसर पर सर्कल ऑर्गेनाइजर स्काउट रामकृष्ण शर्मा ने बताया की पूरे जिले में इको क्लबों के माध्यम से स्वच्छता कार्यक्रम, जल संरक्षण, पक्षियों के लिये परिण्डे बांधना एवं वृक्षारोपण जैसी समस्त गतिविधियां समयानुसार वर्ष भर आयोजित करते रहते हैं।

इस कार्यक्रम में स्काउटर सुवालाल जाट, लोकेन्द्र शर्मा, सीताराम रैगर, हरिओम, हेमराज जांगिड़, श्योप्रसाद जांगिड़, गाइडर मेहरा बी अली, पिंकल प्रजापति एवं प्रियंका का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उदयपुर मण्डल

जनजाति स्काउट गाइड का अंतर जिला भ्रमण

◈ भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के वार्षिक कार्यक्रम अनुसार एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला प्रतापगढ़ के तत्वावधान में जिला स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड अंतर जिला भ्रमण शिविर का आयोजन 27 से 30 मार्च तक किया गया।

जनजाति स्काउट गाइड अंतर जिला भ्रमण शिविर दल को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र तेली ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दल में जिले से 50 स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर को राजसमंद, चित्तौड़गढ़ एवं उदयपुर जिले के दर्शनीय एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र तेली ने स्काउट गाइड को सावधानीपूर्वक ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण करने के निर्देश प्रदान किए। स्काउट गाइड जनजाति भ्रमण दल प्रभारी आनंदीलाल ठाकुर को नियुक्त किया गया।

26 मार्च के जनजाति स्काउट गाइड एक रात्रि शिविर ज्वाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऋतुराज शर्मा, मुख्य शाखा प्रबंधक एसबीआई बैंक प्रतापगढ़ ने स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए कहा की अपने आप को कभी किसी से कमजोर नहीं मानना चाहिए। आप शिविर में जो भी सीखें उसे अपने जीवन में उतारने की कोशिश करना। उन्होंने अपने बचपन को याद करते हुए स्काउट गाइड से कहा कि मैं भी आपकी तरह एनसीसी कैडेट और स्काउट रहा हूँ। समाज में स्काउट गाइड की बातों को बड़ी अयमियत दी जाती है और स्काउट गाइड पर्यावरण मित्र होते हैं। हमने देखा है कि जिले में स्काउट गाइड की गतिविधियां सक्रिय रूप से संचालित हो रही है चाहे वैक्सीनेशन हो या कोविड–19 जागरूकता अभियान हो, स्वच्छता कार्यक्रम हो, सभी में स्काउट गाइड ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि स्काउट गाइड संगठन को हर समय सहयोग प्रदान किया जाएगा।

शिविर ज्वाल कार्यक्रम का संचालन स्काउटर संजय कुमार मेहता ने किया एवं आभार हीरा लाल मालवीय ने व्यक्त किया। इस अवसर पर स्काउटर ओंकारलाल मीणा, रमेश चंद्र मीणा, सौरभ, जीवन लाल मीणा, गोपाल, भीमराज, वीरेंद्र सिंह चुंडावत, लिपिक लोकेंद्र कुमार माली उपस्थित थे।

संयुक्त परिवार की महत्ता से कराया अवगत
रंगोत्सव के साथ स्काउट गाइड शिविर सम्पन्न

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में 26 से 30 मार्च 2022 तक स्काउट गाइड जिला मुख्यालय बी पी पार्क किला रोड चित्तौड़गढ़ पर संचालित जिला स्तरीय अनुसूचित जाति/जनजाति राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड एवं रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर का समापन राजस्थान दिवस के अवसर पर चित्तौड़गढ़ दुर्ग भ्रमण व रंगोत्सव के साथ सम्पन्न हुआ। इससे पूर्व 29 मार्च 2022 को राजस्थान स्थापना दिवस से पूर्व विशाल कैम्प फायर का आयोजन रतन कुमार स्वामी, अति. जिला कलक्टर (प्रशासन) चित्तौड़गढ़ के मुख्य आतिथ्य में किया गया। विशाल कैम्प फायर के अन्तर्गत शिविरार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व नाटक प्रस्तुत कर जनचेतना का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि रतन कुमार स्वामी, अति. जिला कलक्टर (प्रशासन) चित्तौड़गढ़ ने अपने उद्बोधन में संभागियों को कहा कि संयुक्त परिवार वर्तमान समय की जरूरत है। परिवार में रहकर बच्चे को अच्छे संस्कार, प्रेम, स्नेह, अच्छे बुरे की समझ, रिश्तों की समझ व महत्व एवं परिवार का संरक्षण मिलता है। अगर बच्चों की परवरिश संयुक्त परिवार में होती है

तो बच्चों को संरक्षण, संस्कार व सुरक्षा मिलती है। विशाल कैम्प फायर के अन्तर्गत रोवर्स–रेंजर्स ने संयुक्त परिवार का महत्व, दहेज प्रथा, नशा मुक्ति, जल व पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान पर शानदार नाटक प्रस्तुत कर जन जागरूकता का संदेश दिया। रेंजर रानी तम्बोली, राजरानी, मधुबाला लौहार, मधुबाला व्यास, मोनिका, सलोनी, रिया व्यास, किरण मेघवाल, हेमलता रेगर, रश्मि कुशवाह, सुमन वैष्णव, रोवर जसवंत बहादुर, युवराज तम्बोली, पवन माली, शैलेन्द्र, पूरणमल कहार, ओमप्रकाश प्रजापत, अर्पित वैष्णव आदि ने शानदार प्रस्तुति व अपनी सेवाएं दी।

शिविर के अंर्तगत स्काउट गाइड व रोवर रेंजर को राज्य पुरस्कार के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्काउट गाइड आंदोलन की जानकारी, नियम, प्रतिज्ञा, सिद्धान्त, प्रार्थना, झंडागीत, प्रभाती गीत, शयन गीत, भोजन मंत्र, ध्वज शिष्टाचार व विभिन्न ध्वजों की जानकारी, खोज के चिन्ह, हाथ व सीटी के संकेत, प्राथमिक सहायता, पायनियरिंग, कम्पास, दिशा ज्ञान,

दक्षता बैज पाठ्यक्रम, मानसभा व क्रू/टीम कौंसिल की जानकारी, लॉग बुक तैयार करना आदि विषयों का प्रशिक्षण शिविर संचालक चतर सिंह राजपूत के नेतृत्व में दिया गया। शिविर में स्काउटर लक्ष्मी लाल आचार्य, सत्यनारायण सोमानी, सत्यनारायण शर्मा, कैलाश चन्द्र अहीर, हेमेंद्र कुमार सोनी, पृथ्वीराज जाट, प्रियदर्शन सिंह चारण, गाइडर सुनीता अग्रवाल, रसीला धाकड़, श्रद्धा वैष्णव, जयश्री कुमावत, सात्विका शर्मा एवं शान्ति देवी प्रजापत द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

शिविर संचालक चतर सिंह राजपूत ने बताया कि राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड व रोवर रेंजर को हाइक के माध्यम से ऐतिहासिक विश्व धरोहर चित्तौड़गढ़ दुर्ग का भ्रमण कराया गया।

शहीद दिवस पर स्काउट गाइड ने किया शहीदों को नमन

◈ जिला प्रशासन एवं अहिंसा प्रकोष्ठ चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में 23 मार्च 2022 को इन्दिरा प्रियदर्शनी ऑडिटोरियम में आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अन्तर्गत शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार एवं देशभक्ति गीत व नाटक मंचन का कार्यक्रम किया गया, जिसमें राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के रोवर रेंजर ने शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव की जीवनी का जीवन्त प्रदर्शन कर उपस्थित दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। इसके साथ ही प्रस्तुत किये गये देशभक्ति गीत व नृत्य की अतिथियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ दिलीप नेभनानी, जिला संयोजक जिला गांधी दर्शन समिति व अहिंसा प्रकोष्ठ चित्तौड़गढ़ के मुख्य आतिथ्य, गौतम कुमार कूकड़ा, प्राचार्य रा.महाविद्यालय चित्तौड़गढ़ व श्रीमती ममता शर्मा प्राचार्य, रा.कन्या महाविद्यालय चित्तौड़गढ़ व डॉ. गोपाल सालवी ब्लॉक संयोजक गांधी दर्शन समिति चित्तौड़गढ़ के विशिष्ट आतिथ्य एवं भुवनेश्वर प्रसाद भट्ट, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी चित्तौड़गढ़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अन्तर्गत महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चित्तौड़गढ़, राजकीय कन्या महाविद्यालय चित्तौड़गढ़, आर.एन.टी. कॉलेज कपासन, मीरा महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय सेमलपुरा, मेवाड़ गर्ल्स कॉलेज चित्तौड़गढ़ के रोवर रेंजर व स्काउट गाइड ने सहभगिता कर शहीद दिवस पर देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बिड़ला शिक्षा केन्द्र चित्तौड़गढ़ के स्काउट मास्टर मुकेश शर्मा व लेडी स्काउट मास्टर नगेन्द्र बाला व म्यूजिक टीचर मदन लाल गन्धर्व के नेतृत्व में स्काउट गाइड ने शानदार देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को ताली बजाने पर मजूबर कर दिया।

प्रशिक्षण शिविर के प्रशिक्षार्थियों ने दाण्डी मार्च पद यात्रा निकाल स्वच्छता का दिया सन्देश

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमंद व गांधी सेवा सदन के संयुक्त तत्वावधान में 12 मार्च को दाण्डी मार्च पद यात्रा का आयोजन किया गया, जिसके समापन पर शहीद स्मारक पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा ने स्काउट गाइड रोवर रेंजर स्काउटर गाइडर को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा नाश का द्वार है, हमें न तो नशा करना है और न ही नशा करने देना है। साथ ही महिला थाना कांकरोली की सर्कल इंसपेक्टर संगीताजी ने महिलाओं की रक्षा करने का आहवान करते हुए बालिकाओं को अपना प्रेरक उद्बोधन दिया।

स्थानीय संघ राजसमंद के सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि जिला मुख्यालय पर गांधी सेवा सदन स्कूल से एक दाण्डी मार्च पद यात्रा निकाली गई। पद यात्रा को गांधी सेवा सदन के डॉ. कर्णावट, रमेशचन्द्र डागुर, सी.बी.ई.ओ. आमेट, शिवलाल व्यास, ए.डी.ओ. राजसमंद, डॉ. रचना तैलंग पूर्व प्राचार्य, रूपेश पालीवाल, कार्यक्रम अधिकारी, समग्र शिक्षा राजसमंद, नित्यानन्द गौतम सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट, शीला पोखरना सहायक लीडर ट्रेनर गाइड, विजय किशोर त्रिपाठी प्राचार्य गांधी सेवा सदन ने हरी झण्डी दिखाकर

दाण्डी मार्च पद यात्रा को रवाना किया। पद यात्रा गांधी सेवा सदन से जिला कारागृह, पुरानी कलेक्ट्री, मण्डा, नगर परिषद के सामने व पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने से होती हुई शहीद पार्क पहुंची। पद यात्रा में स्काउट गाइड ने स्वच्छता, पर्यावरण व नशे से सम्बन्धित स्लोगन लिखी हुई तख्तियां, बैनर हाथों में लेकर व निनाद लगाते हुए पद यात्रा की। पद यात्रा में 130 स्काउट गाइड रोवर रेंजर, स्काउटर गाइडर ने सहभागिता की।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी व पूर्व जिला प्रशिक्षण आयुक्त ने किया शिविर का अवलोकन

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमंद के परिसर में आयोजित पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का गणमान्य नागरिकों एवं नवीन पद स्थापित जिला कोषाध्यक्ष ने शिविर का अवलोकन किया। सी.ओ.स्काउट छैलबिहारी शर्मा ने बताया कि 12 मार्च को जिला मुख्यालय पर चल रहे राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड व रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर का सहायक प्रशासनिक अधिकारी व नवीन पद स्थापित जिला कोषाध्यक्ष सुभाष पोरवाल, पूर्व जिला प्रशिक्षण आयुक्त रामचन्द्र शर्मा, नर्सिंग एसोसिएशन के कमलेश कुमावत व ऑफीस असिस्टेन्ट कुबेरसिंह सोलंकी ने

शिविर का अवलोकन किया व स्काउट गाइड रोवर रेंजर को सम्बोधित कर उन्हें आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्रदान किया।

स्थानीय संघ राजसमंद के सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि जिला मुख्यालय पर चल रहे राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में आये अतिथियों का सी.ओ.स्काउट ने मेवाड़ी पगड़ी व हिमालय वुड बैज स्काउटर सुरेशचन्द्र खटीक ने संगठन का स्कार्फ व रामसिंह चौहान ने प्रसादी, ईकलाई व तिलक से स्वागत अभिनन्दन किया। शिविर में कम्पास, दिशा ज्ञान, खोज के चिह्न, अनुमान लगाना, नक्शा पढ़ना, प्राथमिक चिकित्सा, गांठे व बन्धन, केम्प फायर के साथ टोली विधि से गेजेट्स लेआउट व निरिक्षण का प्रभावी प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर का संचालन नित्यानन्द गौतम सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट), श्रीमती शीला पोखरना सहायक लीडर ट्रेनर (गाइड) ने किया। प्रशिक्षण दल में सुरेशचन्द्र खटीक, धर्मेन्द्र कुमार गुर्जर, रोशनलाल रैगर, हेमसिंह चौहान, अहमद अली, दयाराम भील, सुरेन्द्र कुमार, हेमराज मीणा, डॉ. उषा शर्मा, शीला शर्मा, आशा प्रजापत, रंजना कुमावत, कलावती शर्मा आदि ने सहयोग किया। कार्यक्रम में अतिथियों का आभार स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने व्यक्त किया।

स्काउट/कब मास्टर यूनिट लीडर बेसिक कोर्स संभागियों ने किया रक्तदान

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में 09 से 15 मार्च तक संचालित स्काउट व कब मास्टर यूनिट लीडर बेसिक कोर्स का समापन ध्वज अवतरण कर राष्ट्रगान के साथ हुआ। समापन समारोह से पूर्व सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मों का सम्मान करते हुए विभिन्न धर्मों की प्रार्थना करते हुए विश्व में प्रेम, भाईचारा, शांति व सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले सभी संभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका अभिनंदन व आभार व्यक्त किया गया। स्काउट मास्टर शिविर संचालक लीडर ट्रेनर इंद्र लाल आमेटा व चतर सिंह राजपूत एवं कब मास्टर शिविर

संचालक डूंगरपुर से आये सहायक लीडर ट्रेनर ललित कुमार बरंडा व भैरू लाल कटारा ने बताया कि शिविर में 52 स्काउट मास्टर व 20 कब मास्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में विद्यालय का पंजीकरण व यूनिट का संचालन कैसे करें, स्काउट आन्दोलन का इतिहास, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत, ध्वज शिष्टाचार व विभिन्न ध्वजों की जानकारी, यूनिफॉर्म, आदर्श वाक्य, मोटो, बायां हाथ मिलाना, हाथ व सीटी के संकेत, खोज के चिन्ह, प्राथमिक सहायता, रस्सी का उपयोग व गांठें, पायनियरिंग, कंपास व दिशा ज्ञान, प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता व सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट की जानकारी, संगठन का स्वरूप, पेट्रोल सिस्टम, मान सभा, बालकों का दीक्षा संस्कार व योग्यता वृद्धि, स्वयं की योग्यता वृद्धि आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रथम महिला रक्तदान शिविर
स्काउट शिविर के संचालक व सह-संचालक ने किया रक्तदान

◈ दिनांक 6 मार्च को जिला प्रशासन एवं नगर परिषद डूंगरपुर के तत्वावधान में प्रथम महिला रक्तदान शिविर डॉ. श्यामा

प्रसाद मुखर्जी हॉल में आयोजित हुआ। इस रक्तदान शिविर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में हो रहे सात दिवसीय डाईट डूंगरपुर के डी.एल.एड. के विद्यार्थी शिविरार्थियों ने अपनी सेवाएं दी। साथ ही सह शिविर संचालक व स्काउटर विष्णु कुमार एकोत एवं दो स्काउट्स हनुमान सिंह व धन्नाराम सुथार ने रक्तदान किया। इस उपलक्ष्य में नगर परिषद अध्यक्ष अमृतलाल कलासुआ एवं नगर परिषद उपाध्यक्ष सुदर्शन जैन ने प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया।

स्काउट गाइड के चतुर्थ रक्तदान शिविर में १७ यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में स्काउट गाइड जिला मुख्यालय चित्तौड़गढ़ पर चतुर्थ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन श्री सांवलिया जी राजकीय सामान्य चिकित्सालय चित्तौड़गढ़ में किया गया। चन्द्र शंकर श्रीवास्तव सी.ओ. स्काउट चित्तौड़गढ़ ने बताया कि मानव सेवा भाव से प्रेरित होकर 14 मार्च 2022 को श्री सांवलिया जी राजकीय सामान्य चिकित्सालय चित्तौड़गढ़ में आयोजित चतुर्थ रक्तदान शिविर के अन्तर्गत 17 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविरार्थी दिनेश सैनी, विनोद खटीक, गौरव श्रीवास्तव, जितेन्द्र सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, विकास तेली, श्रवण कुमार, महेश काजला, भरत मेघवाल, हिमांशु आचार्य, मनीष बबेरवाल, तेजमल तेली, गौतम वेद, अशोक श्रीमाली, राजमल गुर्जर, घनश्याम जाट, प्रदीप जाट, रामेश्वर दत्त शर्मा ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अनिल सैनी, डॉ. शिव कुमार धारू, लैब टेक्नीशियन विमल सोलंकी, नर्सिंग स्टाफ सोहन लाल नायक, आशा मीणा, मोनिका, सी.ओ. स्काउट चन्द्र शंकर श्रीवास्तव, शिविर संचालक इन्द्र लाल आमेटा, चतर सिंह राजपूत, ललित बरंडा प्रशिक्षक गोपाल कृष्ण शर्मा, हजारी लाल रेगर, लक्ष्मी लाल आचार्य, सत्यनारायण सोमानी, सत्यनारायण शर्मा, मनोज कुमार बोहरा, फरमान अली, कैलाश चन्द्र अहीर, रोवर प्रियदर्शन चारण, पवन माली, रेंजर जयश्री कुमावत, रानी तम्बोली, मधुबाला, मेघा यादव, सोनल कुमावत, युवराज मोदी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

CELEBRATIONS FOR - MAY 2022

01 May	:	International Labour Day
03 May	:	World Press Freedom Day, World Redcross Day
11 May	:	National Technology Day
15 May	:	World Family Day
18 May	:	International Museum Day
21 May	:	Anti Terrorism Day
22 May	:	International Day for Biological Diversity
30 May	:	Hindi Journalism Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारे महापुरूष

भारत रत्न
डॉ. पांडुरंग वामन काणे

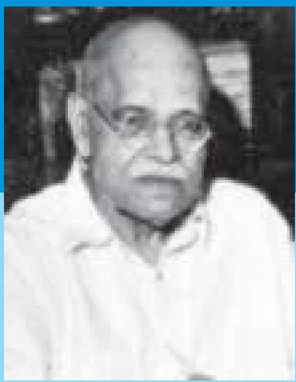

◆ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

> **विद्वान पांडुरंग वामन काणे ज्ञान के वे अद्भुत भंडार थे। उनका हिन्दी, संस्कृत भाषा के अतिरिक्त जर्मनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, उर्दू, फारसी आदि भाषाओं पर समान अधिकार था। वे हिन्दू धर्म और संस्कृति के अटूट रक्षक थे। उन्होंने मानवता और सत्यता के आधार पर कट्टर ब्राह्मण होते हुए भी हरिजनों के उद्धार के लिए भी महत्त्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने 'मुस्लिम लॉ' का भी गहरा अध्ययन किया।**

डॉ. पांडुरंग वामन काणे संस्कृत के एक विद्वान् एवं प्राच्यविद्या विशारद थे। भारत की अति प्राचीन वैदिक भाषा के रूप में यदि आज संस्कृत को विश्व की सभी भाषाओं की जननी माना जाता है और भारत की अति प्राचीन धर्म संस्कृति को यदि विश्व भर में बड़े सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है, तो उसमें महान् भारतीय संस्कृतज्ञ और विद्वान् पंडित डॉक्टर पांडुरंग वामन काणे के अमूल्य योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

परिचय

डॉ. काणे का जन्म 7 मई 1880 को महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के दापोली नामक गाँव में एक चितपावन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री वामन राव पुरोहिताई के कार्य से जुड़े थे, किंतु साथ ही वकालत के कार्य से भी जुड़े थे। वास्तव में डॉ. काणे का परिवार वैदिक संस्कृति और ज्ञान से पैतृक रूप से समृद्ध था। डॉ. काणे ने गाँव के ही स्कूल से प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के साथ साथ अपने परिवार से वैदिक ज्ञान भी प्राप्त किया।

शिक्षा

वर्ष 1887 में उन्होंने एस. पी. जी. स्कूल से हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की। वे पढ़ने में बहुत कुशाग्र थे। उन्होंने हाईस्कूल में पूरे जिले में 23वां स्थान प्राप्त किया। वर्ष 1901 में डॉ. काणे ने स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की और संस्कृत विषय में विशेष योग्यता होने के फलस्वरूप 'भाऊदाजी संस्कृत पुरस्कार' से सम्मानित किए गये। शिक्षिक योग्यता के आधार पर उन्हें 'विल्सन कॉलेज' में दो वर्ष के लिए फैलोशिप प्राप्त हुई। डॉ. काणे ने इसी कॉलेज से एल.एल. बी. (वकालत) की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। सन् 1903 में उन्होंने संस्कृत और अंग्रेजी विषय से प्रथम श्रेणी में एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसी समय उन्हें 'वेदांत पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने एम. ए. करने के बाद अपना अध्ययन और प्रशिक्षण कार्य करते रहे और रत्नागिरि के स्कूल में अध्यापन का कार्य करने लगे। सन् 1905 में उन्होंने टीचर्स ट्रेनिंग की परीक्षा उत्तीर्ण की। सन् 1906 में वे विभागीय परीक्षाओं में पूरे प्रांत में प्रथम आये और परिणामस्वरूप उन्हें जिला सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्ति मिली, किंतु उन्होंने अपने अध्ययन और शोध कार्यों के कारण इस पद को अस्वीकार कर दिया। इसी वर्ष उन्होंने संस्कृत में 'अलंकार साहित्य के इतिहास' पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया और इस उपलब्धि के लिए डॉ. काणे को 'वी. एन. मॉडलिंग स्वर्ण पदक' से सम्मानित किया गया। इस समय तक डॉ. काणे समूचे महाराष्ट्र में संस्कृत विद्वान् के रूप में प्रसिद्धि पा चुके थे।

कार्यक्षेत्र

वर्ष 1907 में उन्हें मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज में संस्कृत के मुख्य अध्यापक के रूप में नियुक्त किया गया। यह पद उनके शोध कार्यों के अनुकूल था। इसी वर्ष उन्होंने 'प्राचीन भारतीय साहित्य' पर अपना एक अन्य शोध कार्य पूर्ण किया और उन्हें पुनः 'वी.एन.मॉडलिंग स्वर्ण पदक' से

सम्मानित किया गया। वर्ष 1908 में डॉ. काणे ने एल.एल.बी. (वकालत) की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। सन् 1909 में जब वे एलफिंस्टन कॉलेज में संस्कृत के प्राध्यापक के पद पर थे, वहाँ पर अपनी योग्यता और प्रतिभा की अनहोनी होती देख उन्होंने त्यागपत्र देकर वकालत प्रारम्भ की। वकालत के साथ साथ वे संस्कृत भाषा और प्राचीन भारतीय संस्कृति पर शोध कार्य करते रहे और इन विषयों से सम्बन्धित व्याख्यान भी निरंतर देते रहे।

योगदान

पांडुरंग वामन काणे का सबसे बड़ा योगदान उनका विपुल साहित्य है, जिसकी रचना में उन्होंने अपना महत्त्वपूर्ण जीवन लगाया। वे अपने महान् ग्रंथों– 'साहित्यशास्त्र' और 'धर्मशास्त्र' पर 1906 ई. से कार्य कर रहे थे। इनमें 'धर्मशास्त्र का इतिहास' सबसे महत्त्वपूर्ण और प्रसिद्ध है। पाँच भागों में प्रकाशित बड़े आकार के 6500 पृष्ठों का यह ग्रंथ भारतीय धर्मशास्त्र का विश्वकोश है। इसमें ईस्वी पूर्व 600 से लेकर 1800 ई. तक की भारत की विभिन्न धार्मिक प्रवृत्तियों का प्रामाणिक विवेचन प्रस्तुत किया गया है। हिन्दू विधि और आचार विचार संबंधी उनका कुल प्रकाशित साहित्य 20,000 पृष्ठों से अधिक का है।

धर्म की व्याख्या

वामन काणे ने धर्म की व्याख्या उसके उदार रूप में की है। उन्होंने छुआछूत का विरोध किया, अंतर्जातीय और विधवा विवाह का समर्थन किया। परिस्थिति उत्पन्न होने पर वे महिलाओं के तलाक के अधिकार के भी समर्थक थे। उनकी मान्यता थी कि हिन्दू धर्म के मूल में राष्ट्रीयता, लोकतंत्र और विश्वबंधुत्व की भावना विद्यमान है। वे कहते थे कि धर्मशास्त्र के ग्रंथ 'अनित्य' हैं और समय के साथ धर्म में भी परिवर्तन होना चाहिए।

विद्वान पांडुरंग वामन काणे ज्ञान के वे अद्‌भुत भंडार थे। उनका हिन्दी, संस्कृत भाषा के अतिरिक्त जर्मनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, उर्दू, फारसी आदि भाषाओं पर समान अधिकार था। वे हिन्दू धर्म और संस्कृति के अटूट रक्षक थे। उन्होंने मानवता और सत्यता के आधार पर कट्टर ब्राह्मण होते हुए भी हरिजनों के उद्धार के लिए भी महत्त्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने 'मुस्लिम लॉ' का भी गहरा अध्ययन किया। उन्होंने मुस्लिमों के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया। डॉ. काणे अद्‌भुत व्यक्तित्व के स्वामी थे।

एक ओर जहाँ वे भारतीय भाषा, धर्म, संस्कृति के जीवंत कोश थे, वहीं दूसरी ओर अनेक विषयों पर अपनी वाकपटुता से ऐसा वातावरण बना देते थे कि व्यक्ति सबकुछ भूलकर उन्हीं को देखता और सुनता रहता था। उनकी विद्वता का सम्मान करते हुए सन् 1942 में उन्हें 'महामहोपाध्याय' की उपाधि से विभूषित किया गया। इसी वर्ष इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें 'डी.लिट.' की मानद उपाधि से समानित किया।

सन 1946 में वे नागपुर में आयोजित 'इडियन ओरिएंटल कांफ्रेंस' के अधिवेशन के अध्यक्ष बनाये गये। सन् 1947 में उन्हें 'बम्बई विश्वविद्यालय' का उपकुलपति बनाया गया। सन् 1953 और उसके बाद दो बार और उन्हें राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया गया। वर्ष 1959 में भारत सरकार ने उन्हें 'भारतीय प्राच्य विद्या' का 'राष्ट्रीय शिक्षक' नियुक्त किया। उनकी विद्वत्ता की प्रसिद्धि भारत में ही नहीं वरन् विदेशों में भी थी। विश्व मंच के अंतर्राष्ट्रीय धर्म, भाषा, साहित्य सम्मेलनों में दो बार उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. काणे की महानतम उपलब्धियों में उनके द्वारा लिखे गये महानतम ग्रंथ प्रमुख हैं, जिन्हें लिखने में उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश भाग लगा दिया था। डॉ. काणे ने कुल 18 ग्रंथ पुस्तकों और 21 शोध पत्रों का सृजन किया। इनके लिखे ग्रंथों में 'धर्मशास्त्र का इतिहास', 'संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास', 'भारतीय रीति रिवाज' और 'आधुनिक विधान' उच्चकोटि के वे महानतम ग्रंथ हैं जिन्होंने डॉ. काणे को अंतर्राष्ट्रीय विश्व मंच पर भारतीय साहित्य के एक युग के रूप में प्रतिष्ठित किया।

'धर्मशास्त्र का इतिहास' 6000 पृष्ठों का ग्रंथ है। यह ग्रंथ इस बात का प्रमाण है कि डॉ. काणे ने अथक लगन और परिश्रम से इस ग्रंथ का निर्माण किया। डॉ. काणे के ये ग्रंथ अंग्रेजी भाषा में लिखे गये हैं। इस सब के पीछे शायद उनका यह उद्देश्य था कि अंग्रेजी भाषा में लिखे होने के कारण भारतीय धर्म, भाषा, संस्कृति की प्राचीनतम और अमूल्य धरोहर को विश्व के अधिकांश देशों में पढ़ा और जाना जा सका।

सम्मान और पुरस्कार

डॉ. काणे को उनके योगदान के लिए अनेक सम्मान मिले। कई विश्वविद्यालयों ने 'डॉक्टरेट' की डिग्री दी। मुम्बई विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। भारतीय इतिहास कांग्रेस और प्राच्यविधा कांग्रेस की अध्यक्षता की। 1948, 1951 और 1954 में प्राच्य विद्याविदों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया।

भारत रत्न

डॉ. पांडुरंग वामन काणे की महान् उपलब्धियों के लिए भारत सरकार द्वारा सन् 1963 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

निधन

डॉ. काणे का पूरा जीवन भारतीय धर्म, भाषा, संस्कृति के प्रचार प्रसार में लगा रहा। उनका पूरा जीवन भारतीय धर्म, भाषा, संस्कृति को सुदृढ़ करने में समर्पित रहा। डॉ. काणे आजीवन मुम्बई की 'रॉयल एशिया हिंद सोसायटी' और ब्राह्मण सभा मुम्बई से सम्बद्ध रहे। जीवनपर्यंत एक कर्मयोगी की भांति साहित्य की सेवा करने वाले इस महान् साहित्यकार, धर्मशास्त्री और शिक्षाशास्त्री का 18 अप्रेल, 1972 को निधन हो गया।

गतिविधि पञ्चांग

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
Basic Course for Sea SM & GC	02 - 08 May, 2022	Pune, Maharashtra
Re-orientation Course for Trainers(Scout Wing)	06 - 10 May, 2022	NTC, Pachmarhi
Re-orientation Course for Trainers(Guide Wing)	06 - 10 May, 2022	NTC, Pachmarhi
National Youth Adventure Programme	09 - 13 May, 2022	Manali, Himachal Pradesh
HWB Course for Ranger Leaders	12 - 18 May, 2022	NTC, Pachmarhi
HWB Course for Flock Leaders	12 - 18 May, 2022	NTC, Pachmarhi
HWB Course for Rover Scout Leaders	12 - 18 May, 2022	NTC, Pachmarhi
HWB Course for Cub Masters	12 - 18 May, 2022	NTC, Pachmarhi
National Youth Adventure Programme	15 - 19 May, 2022	Dehradun, Uttarakhand
Himalaya Wood Badge Course(Guide Captains)	21 - 27 May, 2022	NTC, Pachmarhi
Himalaya Wood Badge Course for S M	21 - 27 May, 2022	NTC, Pachmarhi
Assistant Leader Trainers Course (Guide Wing)	30 May - 05 June, 2022	NTC, Pachmarhi
Assistant Leader Trainers Course (Scout Wing)	30 May - 05 June, 2022	NTC, Pachmarhi
National Youth Adventure Programme	08 - 14 June, 2022	Goa
Basic Course for Commissioners (Common)	10 - 14 Jun, 2022	NTC, Pachmarhi
National Youth Adventure Programme	10 - 14 June, 2022	Dehradun, Uttarakhand

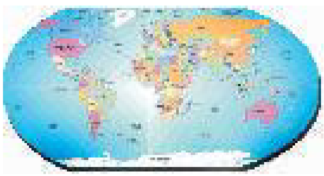

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
"She Can" Girl Guides Singapore International Camp	01- 04 June 2022	Singapore - Virtual
International Jamboree of Denmark 2022	23 - 31 July, 2022	Hedeland Naturpark (Copenhagen)
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea
14th Asia Pacific Conference (WAGGGS)	10 - 14 August, 2022,	Thailand - Virtual
GYM AP Regional Youth Summit - SANGAM	07 - 11 November, 2022	Sangam, Pune
Juliette Low Seminar (JLS) 2022	02 - 11 December, 2022	Virtual
32nd Asia-Pacific Regional Scout Jamboree	11 - 19 December, 2022	Bangladesh

National Headquarters website : www.bsgindia.org

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला को स्काउट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर की एक झलक।

राष्ट्रीय साहसिक शिविर : दार्जिलिंग

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र दार्जिलिंग में हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान के साथ आयोजित राष्ट्रीय एडवेंचर शिविर में बीकानेर के 5 रोवर रेंजर ने सहभागिता की। सी.ओ. स्काउट जसवंत सिंह राजपुरोहित के अनुसार 21 से 25 फरवरी 2022 तक आयोजित इस शिविर में बीकानेर के शिक्षा निदेशालय ओपन रोवर क्रू से अर्जुन भाटी और राधेश्याम सुथार, राजकीय डूंगर कॉलेज से सुरभि मिश्रा एवं इशिता गुप्ता तथा मरुधर ओपन रेंजर टीम से खुशबू मिश्रा ने सहभागिता की।

बीकानेर के दल ने शिविर में विभिन्न साहसिक गतिविधियों जैसे पर्वतारोहण, आर्चरी आदि में भाग लिया। दार्जिलिंग के स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। कैम्प फायर में राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

आगमन पर मंडल मुख्यालय, बीकानेर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेंद्र सिंह भाटी, सी.ओ. गाइड ज्योतिरानी महात्मा, स्काउटर विनोद चौधरी, देवीलाल गर्ग आदि ने स्वागत किया। श्री भाटी ने कहा की साहसिक शिविरों में भाग लेने से युवाओं के व्यक्तित्व का विकास होता है।

जयपुर में निकाली गई दांडी मार्च पद यात्रा में शिरकत करते हुए राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य। स्काउट गाइड ने जागरूकता तख्तियों व बैनर के साथ सहभागिता की

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com